

14.9.21

बार-बार आवाज दिनादि जाने के बावजूद
भी जा तो उलो रहे ना ही उनके उलो
उपस्थित उत्प। उत्तः प्वाठ अद्यम धरि
रुं अद्यम पेशी में शक्तिज सी जान
है। प्वाठ पेशी सुगाट सी जान, प्वाठ
से कम है, बाद जित्को शक्तिज दफ्त
(1) रु